2 राजा 4:38–41

“फिर एलिशा गिलगाल आया, जब देश में अकाल था। और जब भविष्यद्वक्ताओं के पुत्र उसके सामने बैठे हुए थे, उसने
अपने सेवक से कहा, ‘बड़े बर्तन में डालो और भविष्यद्वक्ताओं के पुत्रों के लिए स्टू उबालो।’ एक व्यक्ति बाहर जड़ी- बूटियाँ लेने गया, और उसने एक जंगली बेल पाई और उससे अपनी
गोद भर ली जंगली लौकियाँ और उन्हें स्टू में काटकर डाल दिया, यह न जानते हुए कि वे विषैली हैं। और उन्होंने पुरुषों को खाने के लिए कुछ परोसा। लेकिन जब वे स्टू खाने लगे, उन्होंने चिल्लाया, ‘हे परमेश्वर के पुरुष, बर्तन में मृत्यु है!’ और
वे इसे नहीं खा सके। उसने कहा, ‘तो आटा ले आओ।’ और उसने इसे बर्तन में फेंक दिया और कहा, ‘पुरुषों के लिए डालो ताकि वे खा सकें।’ और बर्तन में कोई हानि नहीं हुई।”

1. आध्यात्मिक अकाल से निराशा आती है

इस घटना में, एलिशा और भविष्यद्वक्ताओं के पुत्र अकाल में हैं। भोजन कम है और भूख वास्तविक है। एक व्यक्ति कुछ भी खाने योग्य खोजने के लिए बाहर जाता है। उसने जंगली लौकियाँ पाई, जो उसे अच्छी लगीं, लेकिन वे वास्तव में विषैली थीं।

जैसे शारीरिक अकाल किसी को भी उपलब्ध भोजन खाने के लिए मजबूर करता है, आध्यात्मिक अकाल — सही शिक्षाओं की कमी — लोगों को आध्यात्मिक विष खाने पर मजबूर कर सकता है।

आमोस 8:11

“देखो, वह दिन आने वाले हैं,” प्रभु यहोवा कहते हैं, “जब मैं देश में अकाल भेजूंगा — ना रोटी का अकाल, ना पानी की प्यास, बल्कि प्रभु के शब्द सुनने का अकाल।”

आज कई लोग आध्यात्मिक रूप से भूखे हैं, लेकिन वे शास्त्र की ओर नहीं बल्कि आकर्षक, भ्रमित करने वाली शिक्षाओं की ओर बढ़ रहे हैं, जो सचाई से खाली हैं।

2. सभी “अच्छी” शिक्षाएँ परमेश्वर की नहीं होतीं

2 राजा 4 में उस व्यक्ति का इरादा भला था, लेकिन उसमें विवेक की कमी थी। उसने जो बर्तन में डाला वह खाने योग्य लगता था — पोषक भी लगता था — लेकिन उसने मृत्यु ला दी।

आधुनिक उदाहरण:

यह आज की चर्च में झूठी शिक्षाओं के प्रवेश जैसा है। वे बाइबिलिक प्रतीत होती हैं। वे प्रोत्साहित करने वाली लगती हैं। लेकिन वे जानलेवा होती हैं क्योंकि वे सुसमाचार की प्रमुख सत्यताओं को विकृत या अस्वीकार करती हैं।

उदाहरण:

हाइपर-ग्रेस शिक्षा: “तुम अनुग्रह से उद्धार पाए हो, इसलिए तुम्हारे कर्म महत्वपूर्ण नहीं हैं।”
समृद्धि सुसमाचार: “परमेश्वर चाहता है कि तुम अब अमीर हो; दुख उसके इच्छानुसार नहीं है।”
सर्वव्यापक उद्धार (यूनिवर्सलिज़्म): “अंत में सभी उद्धार पाएंगे, चाहे वे क्या मानते हों।”
अंत के समय का इनकार: “कोई रैप्चर या न्याय नहीं है; केवल सफलता पर ध्यान दो।”

2 तीमुथियुस 4:3–4

“क्योंकि समय आने वाला है जब लोग स्वास्थ्यपूर्ण शिक्षा को
सहन नहीं करेंगे, बल्कि अपनी इच्छाओं के अनुसार शिक्षकों को इकट्ठा करेंगे, और सत्य सुनने से मुंह मोड़ लेंगे और मिथकों
में भटक जाएंगे।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

3. झूठे शिक्षक अक्सर निर्दोष दिखते हैं

यीशु ने चेतावनी दी कि झूठे भविष्यवक्ता निर्दोष दिखेंगे लेकिन भीतर से खतरनाक होंगे।

मत्ती 7:15

“झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ की त्वचा में
आते हैं लेकिन भीतर से भयंकर भेड़िये हैं।”

आज के झूठे शिक्षक शास्त्र उद्धृत कर सकते हैं, कॉलर पहन सकते हैं, किताबें लिख सकते हैं, या मेगा प्लेटफॉर्म बना सकते हैं। लेकिन अगर वे मसीह के क्रूस, पश्चाताप और पवित्र जीवन की शिक्षा नहीं देते, तो वे आपकी आत्मा को नहीं पोषण दे रहे — वे इसे विषैली बना रहे हैं।

4. परमेश्वर का वचन उपचार है

कहानी में, एलिशा ने स्टू का बर्तन फेंका नहीं। उसने उसमें आटा डाला, जो परमेश्वर के वचन का प्रतीक है — और स्टू स्वस्थ हो गया।

भजन संहिता 107:20

“उसने अपने वचन को भेजा और उन्हें चंगा किया, और उनकी तबाही से उन्हें मुक्ति दी।”

जैसे आटा विष वाले बर्तन को शुद्ध कर सकता है, परमेश्वर का शुद्ध वचन झूठी शिक्षाओं को सुधार सकता है, आध्यात्मिक स्वास्थ्य बहाल कर सकता है, और भ्रम को स्पष्ट कर सकता है।

5. ईसाई जीवन में पवित्रता और जागरूकता आवश्यक है

आधुनिक शिक्षाएँ जो पवित्रता को हटाती हैं, न्याय की अनदेखी करती हैं, और केवल सांसारिक सफलता पर ध्यान देती हैं, वे जंगली लौकियों जैसी हैं। अगर आप इन्हें ग्रहण करते हैं, तो आप आध्यात्मिक मृत्यु के खतरे में हैं।

इब्रानियों 12:14

“सभी के साथ शांति और पवित्रता के लिए प्रयास करो, जिसके
बिना कोई भी प्रभु को नहीं देख पाएगा।”

यीशु ने हमें अपनी वापसी के लिए तैयार रहने की याद दिलाई:

लूका 12:35–36

“तैयार रहो और अपनी दीपक जलाए रखो, और उन पुरुषों की तरह बनो जो अपने स्वामी के विवाह समारोह से घर आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, ताकि जब वह आए और खटखटाए तो तुरंत दरवाजा खोल
सकें।”

हमारा ध्यान हमेशा मसीह, अनंतकाल और उनके चरित्र को प्रतिबिंबित करने वाले जीवन पर होना चाहिए।

आध्यात्मिक रूप से आप क्या ग्रहण करते हैं, इसमें विवेक रखें

जब आप आध्यात्मिक रूप से भूखे हों, तो सावधान रहें कि आप क्या ग्रहण कर रहे हैं। केवल इसलिए कि कुछ लोकप्रिय है, अच्छी तरह प्रस्तुत किया गया है, या “अच्छा लगता है” — इसका मतलब यह नहीं कि यह सच है। हमेशा शिक्षा का परीक्षण करें परमेश्वर के वचन द्वारा।

1 यूहन्ना 4:1

“प्रियजनों, हर आत्मा पर विश्वास न करो, बल्कि यह परखो कि
क्या वे परमेश्वर से हैं, क्योंकि कई झूठे भविष्यवक्ता
संसार में निकल चुके हैं।”

हर वह चीज जो आपको भरती है, वह आपको पोषण नहीं देती। जंगली लौकियों से सावधान रहें।

वचन में बने रहें। पवित्रता में चलें। मसीह की प्रतीक्षा करें।

प्रभु आपको आशीर्वाद दें और आपकी रक्षा करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP[1]….

Share on:
WhatsApp
Endnotes:
1. WHATSAPP GROUP:
https://chat.whatsapp.com/L3ysoFZcz058XCX9oLvKL1?s=cl&p=a&mlu=4&ilr=4